SOCRATES
An International multi-disciplinary multi-lingual Refereed and Indexed Scholarly Journal
Edition - II Vol : I March 2014
PAGE NO. 146 TO 166
ISSN 2347-6869
OPEN ACCESS

महात्मा गांधी–नरेगा से पूर्व आर्थिक विकास एवं बेरोजगारी की समस्या

शिव कुमार *

शोध सार

ग्रामीण क्षेत्रों में गाँव और शहर के अन्तराल को पाटने, खाद्य सुरक्षा प्रदान करने और जनता को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सामाजिक और आर्थिक आधार पर लोगों को सुदृढ़ करना आवश्यक है गांवों के विकास के बिना देश का विकास सम्भव नहीं है। ग्रामीण विकास के मार्ग में प्रमुख समस्या ग्रामीण बेरोजगारी की है। सरकार ने इस दिशा में हर व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध कराने की चुनौती स्वीकार की है जिसमें रोजगार के इच्छुक व्यक्ति को रोजगार नहीं मिलता है, तो उसे बेरोजगारी भत्ता देना सरकार की जिम्मेदारी होगी। इसी जिम्मेदारी को पूरा करने हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 7 सितम्बर, 2005 को पारित किया गया।

कुंजी शब्द

ग्रामीण विकास, रोजगार, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था, महात्मा गांधी–नरेगा।

* शिव कुमार, राजीव गांधी राष्ट्रीय शोधवेत्ता, अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

Read full text on:
www.socratesjournal.com
This work is licensed under the Creative Commons Attribution-Non Commercial-NoDerivs 2.5 India License.